कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, नरेन्द्रनगर वन प्रभाग, मुनिकीरेती।

E-mail: dfonnagar-forest-uk@nic.in Telefax- 0135-2442052

पत्रांक संख्या– 1179 / 12–1 दिनांक 07/ 11/2022

सेवा में,

अधिशासी अभियन्ता,
अस्थाई खण्ड, लोक निर्माण विभाग,
श्रीनगर, मुख्यालय–कीर्तिनगर।

विषय :– जनपद टिहरी गढवाल के विधानसभा क्षेत्र देवप्रयाग के विकासखण्ड कीर्तिनगर के अन्तर्गत जैधार बैण्ड से माछनी मोटर मार्ग के नव निर्माण कार्य हेतु 0.995 है0 वन भुमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग को प्रत्यार्वन।

सन्दर्भ :– वन अनुभाग–03 उत्तराखण्ड शासन की पत्र संख्या का 905/X-3-22/1(50)/2022 दिनांक 09.09.2022 के क्रम में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सन्दर्भित पत्र के माध्यम से उत्तराखण्ड शासन के द्वारा प्रश्नगत प्रकरण की सशर्त सैद्वान्तिक स्वीकृति जारी की गयी है, जिसके क्रम में अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, द्वारा उनके पत्रांक–815/FP/UK/ROAD/150771/2022 दिनांक–22.09.2022 से जारी सैद्वान्तिक स्वीकृति के अनुपालन में निम्नलिखित शर्ते अधिरोपित कर निम्नानुसार अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है :–

<u>शर्त संख्या–01</u> यदि क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु चयनित क्षेत्र आरक्षित वन है तो उसका अधिसूचना (Notification) भी अनुपालन आख्या के साथ संलग्न किया जाये।

<u>शर्त संख्या–02</u> उपरोक्त के अतिरिक्त इस आशय का प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया जाना भी अपेक्षित है कि प्रस्ताव में स्वीकृत समरेखण में ही वृक्षों का पातन एव स्वीकृत समरेखण में मोटर मार्ग का निर्माण किया गया है।

<u>शर्त संख्या–03</u> यदि अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रस्तावक विभाग को Working permission दे दी गयी है तो उसकी प्रति भी उपलब्ध करायें।

<u>शर्त संख्या–04</u> प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्रांक–1269/P.O दिनांक 10.06.2022 द्वारा जारी पत्र में उल्लेखित बिन्दु सं0–01 के अनुपालन में यह सुनिश्चित किया जायेगा कि ये क्षेत्र जब सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा वन विभाग के पक्ष में दाखिल खारिज किये जाते हैं तो उस आदेश में यह स्पष्ट इंगित हो कि प्रश्नगत सिविल क्षेत्र का रकवा कितना है तथा उसमें से कितना क्षेत्र वन विभाग के पक्ष में दाखिल खारिज किया जा रहा है एवं यह क्षेत्र पूर्व में किसी अन्य योजना में अथवा वन संरक्षण अधिनियम–1980 के अन्तर्गत पूर्व में गठित प्रस्ताव में नहीं दिया गया है।

इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड शासन के सन्दर्भित पत्र द्वारा जारी प्रश्नगत प्रकरण की सैद्धान्तिक स्वीकृति में अधिरोपित निम्नलिखित शर्तो की डिमांड अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

<u>1– शर्त संख्या–01</u> के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वन भूमि की विधिक परिस्थिति नही बदली जायेगी।

<u>2– शर्त संख्या–02</u> के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा कि परियोजना के लिये आवश्यक गैर वन भूमि प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा वन विभाग को सौंपे जाने के पश्चात ही वन भूमि सौंपी जायेगी।

<u>3– शर्त संख्या–3.(क)</u> के क्रम में प्रयोक्ता अभिकरण की लागत पर 1.990 हे0 भूमि में 1990 पौधों के प्रतिपूरक वनीकरण हेतु मु0–8,11,904.00 धनराशि जमा करनी होगी। जहॉ तक व्यावहारिक हो, स्थानीय स्वदेशी प्रजातियों को लगाया जायेगा तथा प्रजातियों की एकल प्लांटेशन से बचें, तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र सम्बन्धित वन क्षेत्राधिकारी, द्वारा प्रस्तुत किया जाना होगा।

वसूली वर्ष 2022–23 हेतु क्षतिपूरक वृक्षारोपण एवं 10 वर्षो तक रख–रखाव हेतु धनराशि का विवरण :–

क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु भूमि –	1.990 हे0
क्षतिपूरक वृक्षारोपण की दर प्रति हे0–	4,07,992.00 प्रति हे0
क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु धनराशि–	1.990 X 4,07,992.00 =8,11,904.00

<u>4– शर्त संख्या–3.(ख)</u> के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण पौध रोपण योजना के साथ क्षेत्र का नाम एवं कौर्डिनेट अंकित करते हुए डिजिटल मानचित्र एवं क्षेत्र का नाम इस कार्यालय को प्रस्तुत करेगी।

Eq. o/c

5– **शर्त संख्या–04** के अनुपालन में प्रतिपूरक वनीकरण की भूमि पर यदि आवश्यक हो, तो प्रतिपूरक वनीकरण योजना के अनुसार प्रचलित मजदूरी दरों पर प्रतिपूरक वनीकरण की लागत एवं सर्वेक्षण, सीमांकन और स्तंभन की लागत परियोजना प्राधिकरण द्वारा अग्रिम रूप से वन विभाग के पास जमा की जायेगी। प्रतिपूरक वनीकरण 10 वर्षो तक अनुरक्षित किया जायेगा। इस योजना के भविष्य में निर्धारित कार्यो के लिये प्रत्याशित लागत वृद्धि हेतु उपयुक्त प्रविधान शामिल किया सकते है। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया जायेगा।

6– शर्त संख्या–05 के अनुपालन में एन0पी0बी0 के रूप में प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा 0.995 हे0 हेतु @ 10,05,210.00 प्रति हे0 की दर से मु0 10,00,184.00 धनराशि जमा करनी होगी। एन0पी0वी0 की मांग का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :–

एन0पी0वी0 की धनराशि का आंकलन

"प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली के आदेश संख्या–F.No. 5–3/2011–एफ0सी0 Vol-1(i) दिनांक 06–01–2022 मे उल्लेखित व्यवस्था के अनुसार आवंटित वन भूमि हेतु एन0पी0वी0 की देयता निम्नानुसार है" :–

ईको–क्लास श्रेणी–	V
हरियाली का घनत्व–	0.10 OF
एन0पी0वी की दर प्रति हे0–	मु0 10,05,210.00 (दस लाख पांच हजार दो सौ दस रूपये मात्र)
आवेदित वन भूमि का क्षेत्रफल–	0.995 हे0
कुल देय एन0पी0वी0 की धनराशि–	0.995 हे0 X 10,05,210.00 = 10,00,184.00

7– शर्त संख्या– 05 (ख) के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का वचनबद्धता का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा कि विशेषज्ञ समिति से रिपोर्ट प्राप्त होने पर मा0 सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रत्यावर्तित वन भूमि के शुद्ध वर्तमान मूल्य की अतिरिक्त धनराशि, यदि कोई हो, जो अन्तिम रूप देने के बाद देय हो, तो बढ़ी हुई धनराशि प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा जमा की जायेगी।

8– शर्त संख्या–06 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण प्रत्यावर्तित वन भूमि में पेडों की कटाई को न्यूनतम रखेगा एवं प्रभावित होने वाली वृक्षों की संख्या प्रस्ताव में उल्लेखित वृक्षों से अधिक नही होगी का कटान/पातन किया जायेगा। प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा राज्य वन विभाग के पास पेड़ों की कटाई की लागत जमा की जायेगी। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया जायेगा।

9–शर्त संख्या–07 DFO will inform Nodal office if they pass any order for tree cutting and commencement of work before Stage-II apporoval as per guidelines para 11.2 Nodal will strictly monitor and ensure that no further activity is carried out under such permission after the expiry of one year form the date of issue of such permission.

10– शर्त संख्या–08 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा एन0पी0वी0, क्षतिपूरक वृक्षारोपण एवं अन्य धनराशि क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण फंड में हस्तान्तरित/जमा की जाने वाली धनराशि केवल ई–पोर्टल (https://parivesh-nic-in/) के माध्यम से ही मान्य होगी।

11– शर्त संख्या–9 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा एफ0आर0ए0, 2006 का पूर्ण अनुपालन सम्बन्धित जिला कलेक्टर से निर्धारित प्रमाण–पत्र के माध्यम से सुनिश्चित किया जायेगा। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया जायेगा।

12– शर्त संख्या–10 के अनुपालन में इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा कि प्रयोक्ता अभिकरण आई0आर0सी0 मानदण्डों के अनुसार सड़क के दोनों किनारों एवं उसके बीचों बीच पौधों की संख्या बढाएगा।

13– शर्त संख्या–11 के अनुपालन में इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा कि प्रयोक्ता अभिकरण संरक्षित क्षेत्रों/वन क्षेत्रों में निश्चित दूरी पर सड़क के साथ गतिविनियमन साईनेज लगाये जायेंगे।

14– शर्त संख्या–12 के अनुपालन में इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा कि सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू/एनबीडब्ल्यूएल/एफ0सी0/आई0आर0सी0 की सिफारिशों के अनुसार उपयोगकर्ता अभिकरण पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करेगा।

15– शर्त संख्या–13 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा कि पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्राविधानों के अनुसार, उपयोगकर्ता अभिकरण पर्यावरणीय स्वीकृति यदि लागू हो तो प्राप्त करना होगा।

16– शर्त संख्या–14 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति के बिना प्रस्ताव का ले–आउट प्लान नही बदला जायेगा। इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

17– शर्त संख्या–15 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वन क्षेत्र के आस–पास मजदूरों/स्टॉफ के लिये किसी भी प्रकार का श्रमिक शिविर स्थापित नही किया जायेगा। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

18– बिन्दु संख्या–16 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा कि निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्यरत मजदूरों को राज्यीय वन विभाग अथवा वन विकास निगम अथवा वैकल्पिक ईधन के किसी अन्य कानूनी श्रोत से पर्याप्त लकड़ी, विशेषत: वैकल्पिक ईधन दिया जायेगा। जिससे निकटवर्ती वनों को क्षति न पहुँचे।

19– शर्त संख्या–17 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रत्यावर्तित वन भूमि का चार फीट ऊँचे आर0सी0सी0 पिल्लर लगाकर सीमांकन करेगा जिन पर Forward एवं Back bearing अंकित किया जायेगा। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

20– शर्त संख्या–18 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा कार्य के निष्पादन के लिये निर्माण सामग्री के परिवहन के लिये वन क्षेत्र के अन्दर कोई अतिरिक्त या नया मार्ग नहीं बनाया जाएगा। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

21– बिन्दु संख्या–19 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा कि इस अनुमोदन में प्रत्यावर्तित की अवधि को प्रयोक्ता अभिकरण के पक्ष में मिली लीज की अवधि के साथ अथवा परियोजना की पूर्ण अवधि के साथ जो भी कम हो, लक्षित किया जायेगा।

22– बिन्दु संख्या–20 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वन भूमि का उपयोग परियोजना के प्रस्ताव में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के अतिरिक्त अन्य किसी प्रयोजन हेतु नहीं किया जायेगा।

23– शर्त संख्या–21 के अनुपालन में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा इस आशय का प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा कि केन्द्र सरकार की पूर्वानुमति के बिना प्रत्यावर्तन हेतु प्रस्तावित वन भूमि किसी भी परिस्थिति में किसी भी अन्य एजेन्सियों, विभाग अथवा व्यक्ति को हस्तान्तरित नही की जायेगी।

24– शर्त संख्या–22 के अनुपालन में इनमें से किसी भी शर्त का उल्लघंन वन (संरक्षण) अधिनियम–1980 का उल्लघंन होगा एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की दिशा निर्देश फाईल सं0–11–42/2017– FC दिनांक 29.01.2018 के अनुसार उस पर कार्यवाही होगी।

25– शर्त संख्या–23 के अनुपालन में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वन एंव वन्य जीवों के संरक्षण व विकास के हित में समय–समय पर निर्धारित शर्ते लागू होगी।

26. शर्त संख्या–24 के अनुपालन में परियोजना निर्माण से उत्सर्जित मलवे का निस्तारण प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तुत मलवा निस्तारण योजना के अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी की देख–रेख में किया जायेगा एवं निर्दिष्ट स्थानो के अलावा अन्यत्र मलवा नहीं फेंका जायेगा। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

27– शर्त संख्या–25 के अनुपालन में यदि कोई अन्य सम्बन्धित अधिनियम/अनुच्छेद/नियम/न्यायालय आदेश/अनुदेश आदि इस प्रस्ताव पर लागू होते है तो उनके अधीन जरूरी अनुमति लेना नोडल अधिकारी/प्रयोक्ता ऐजेन्सी की जिम्मेदारी होगी। तत्सम्बन्धी प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना होगा।

28– शर्त संख्या–26 के अनुपलान में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा सैद्वान्तिक स्वीकृति की अनुपालन रिपोर्ट ई–पोर्टल (https://parivesh-nic-in/) पर भी अपलोड की जानी होगी।

प्रभागीय वनाधिकारी,
नरेन्द्रनगर वन प्रभाग, मुनिकीरेती।

संख्याः– 1199 /12–1 दिनांकित

प्रतिलिपि :– राजि अधिकारी, कीर्तिनगर राजि को उपरोक्तानुसार सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रभागीय वनाधिकारी,
नरेन्द्रनगर वन प्रभाग, मुनिकीरेती।

O/C